अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 | संख्या 14 | श्री विजय पुरम, बुधवार, 14 जनवरी 2026 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए

112 Emergency Response Support System
One India, One Emergency Number 112

शुभकामनाएँ

'मकर संक्रान्ति और पोंगल' के शुभ अवसर पर, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के सभी द्वीपवासियों को मेरी ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

यह पवित्र उत्सव ऋतुओं के परिवर्तन का प्रतीक हैं जो कृषि समृद्धि, नवजीवन और प्रकृति की प्रचुरता के प्रति कृतज्ञता का संकेत देते हैं। पूरे देश में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाए जाने वाले मकर संक्रान्ति और पोंगल हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं और सद्भाव, आपसी सम्मान एवं सामाजिक एकता के शाश्वत मूल्यों को रेखांकित करते हैं। यह उत्सव हमें बंधुत्व, करुणा और सामाजिक सद्भाव को सुदृढ़ करने हेतु अपनी सामूहिक प्रतिबद्धता को पुनः स्थापित करने के लिए प्रेरित करते हैं।

इस शुभ अवसर पर मेरी कामना है कि यह उत्सव सभी द्वीपवासियों के जीवन में शांति एवं सुख समृद्धि लेकर आए तथा हमारा द्वीप समावेशी विकास, एकता और प्रगति के पथ पर निरंतर अग्रसर रहें।

(एडमिरल डी.के. जोशी)
पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एनएम, वीएसएम (अ.प्रा.)
उप राज्यपाल
अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह
एवं उपाध्यक्ष, द्वीप विकास एजेंसी

संदेश

14 जनवरी को मनाए जाने वाले सशस्त्र सेना वयोवृद्ध दिवस के अवसर पर, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के सभी वीर पूर्व सैनिकों को मेरा सादर नमन। सशस्त्र बलों के पूर्व सैनिक दिवस को प्रत्येक वर्ष सशस्त्र बलों के प्रथम कमांडर–इन–चीफ, फील्ड मार्शल के. एम. करिअप्पा द्वारा दी गई सेवाओं को मान्यता देते हुए मनाया जाता है, जो 1953 में इसी दिन सेवानिवृत्त हुए थे।

यह दिवस, हमारे सशस्त्र बलों के उन पूर्व सैनिकों के अदम्य साहस, अनुशासन और निस्वार्थ सेवा को सम्मानित करने का दिन है, जिनके बलिदान राष्ट्र की संप्रभुता, एकता और सुरक्षा को बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण रहे हैं। कठिन परिस्थितियों में भी कर्तव्य के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता और सम्मान देशभक्ति की सर्वोच्च परंपराओं को दर्शाती है।

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि अण्डमान तथा निकोबार कमांड ने द्वीपों में पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए सराहनीय पहल की है। सेना, नौसेना, वायु सेना और तटरक्षक बल के पूर्व सैनिकों के सहित वीरांगनाओं के साथ प्रभावी और सतत् संपर्क स्थापित करने के उद्देश्य से एक आउटरीच कार्यक्रम शुरू किया गया है। यह पहल उनके समग्र कल्याण, निवारक स्वास्थ्य देखभाल और शिकायतों के समय पर निवारण पर केंद्रित है, जिससे उन लोगों के प्रति कमांड की अटूट प्रतिबद्धता को बल मिलता है जिन्होंने राष्ट्र की सेवा में उत्कृष्ट योगदान दिया है।

आज हमारे नागरिकों को प्राप्त शांति और स्वतंत्रता उनकी सतर्कता, दृढ़ता और सर्वोच्च समर्पण का अमिट प्रमाण है। राष्ट्र उन सभी का सदा ऋणी रहेगा जिन्होंने अग्रिम मोचर्चों पर रहकर हमारे गणतंत्र के मूल्यों और आदर्शों की रक्षा की है।

इस अवसर पर, मैं अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन और द्वीपों के समस्त निवासियों की ओर से सभी पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ तथा उनके अच्छे स्वास्थ्य, सम्मान और प्रसन्नता की कामना करता हूँ।

(एडमिरल डी.के. जोशी)
पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एनएम, वीएसएम (अ.प्रा.)
उप राज्यपाल
अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह
एवं उपाध्यक्ष, द्वीप विकास एजेंसी

"पशु कल्याण पखवाड़ा–2026"

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई कि अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह, देश के अन्य भागों के साथ–साथ 14 से 30 जनवरी, 2026 तक "पशु कल्याण पखवाड़ा 2026" मना रहा है। इस महत्वपूर्ण पहल का उद्देश्य सभी पशुओं के प्रति दया, सम्मान और करुणा का भाव रखने के नैतिक दायित्व के विषय में जन जागरूकता बढ़ाना है।

अनंतकाल से ही पशु मानव जीवन को सहारा देने और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। एक दायित्वपूर्ण समाज के रूप में, हमारा सामूहिक कर्तव्य है कि हम यह सुनिश्चित करें कि मानव सुविधा या लाभ के लिए पशुओं का शोषण या क्रूरता न हो। वर्तमान समय में, पशुओं के साथ सद्भावपूर्वक रहना पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गया है, तथा उनकी देखभाल और संरक्षण के प्रति अपनी नैतिक दायित्व को निभाना हमारी साझा मानवता का प्रतीक है। क्रूरता रोकने व पशु पोषण प्रोत्साहन हेतु जागरूकता अभियान, शिक्षा और सामुदायिक भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य सभी जीवित प्राणियों के प्रति सहानुभूति, सम्मान और करुणा की संस्कृति को बढ़ावा देना है, साथ ही पशु कल्याण के लिए सार्थक कार्रवाई को प्रोत्साहित करना है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था, "किसी राष्ट्र की महानता और नैतिक प्रगति का आकलन इस बात से किया जा सकता है कि वह अपने पशुओं के साथ कैसा व्यवहार करता है।" हमारी सभ्यता के मूल्यों में गहराई से समाया अहिंसा का यह चिरस्थायी सिद्धांत, पशुओं के प्रति मानवीय और नैतिक व्यवहार का उदाहरण प्रस्तुत करने में हमारा मार्गदर्शन करता है। पशु कल्याण पखवाड़े के अवसर पर, आइए हम सब मिलकर एक दयालु और करुणामय समाज के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराएँ।

इस अवसर पर, मैं "पशु कल्याण पखवाड़े–2026" के सफल आयोजन के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ व्यक्त करता हूँ और सभी नागरिकों एवं हितधारकों से पशुओं के संरक्षण, सम्मान और कल्याण में सक्रिय योगदान देने का आग्रह करता हूँ।

(एडमिरल डी.के. जोशी)
पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एनएम, वीएसएम (अ.प्रा.)
उप राज्यपाल
अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह
एवं उपाध्यक्ष, द्वीप विकास एजेंसी

मकर संक्रांति/माघ बिहू/पोंगल पर 14 जनवरी को सार्वजनिक अवकाश घोषित

श्री विजय पुरम, 13 जनवरी

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल ने मकर संक्रांति/माघ बिहू/पोंगल के अवसर पर 14 जनवरी 2026 को अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के अंतर्गत सभी सरकारी कार्यालयों, स्वायत्त निकायों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों तथा शैक्षणिक संस्थानों में अवकाश घोषित किया है। सहायक सचिव (सामान्य प्रशासन) द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि मकर संक्रांति/माघ बिहू/पोंगल के अवसर पर पूर्व में अधिसूचित प्रतिबंधित अवकाश को अब सार्वजनिक अवकाश माना जाएगा।

शुभकामनाएँ

मैं मकर संक्रांति एवं पोंगल के पावन अवसर पर अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के समस्त नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई देता हूँ।

ये फसल उत्सव प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, हमारे किसानों के परिश्रम तथा सौहार्द, समृद्धि और नवचेतना की भावना के प्रतीक हैं। ये हमें हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और एकता, सहभागिता एवं बेहतर भविष्य की आशा जैसे मूल्यों की याद दिलाते हैं।

यह पर्व द्वीपसमूह के प्रत्येक परिवार के लिए शांति, उत्तम स्वास्थ्य, सुख और समृद्धि लेकर आए तथा सभी समुदायों के बीच भाईचारे और सामाजिक सद्भाव को और सुदृढ़ करे–यही कामना है।

शुभेच्छाओं सहित,

ह.
बिष्णु पद राय
सांसद
अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह

जिला परिषद अध्यक्ष ने दी मकर संक्रांति की शुभकामनाएँ

श्री विजय पुरम, 13 जनवरी

दक्षिण अण्डमान जिला परिषद के अध्यक्ष श्री प्रकाश अधिकारी ने समस्त द्वीपवासियों को मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। अपने संदेश में उन्होंने कहा, "यह पावन पर्व प्रत्येक घर में समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य, शांति और सुख लेकर आए तथा हमारे सुंदर द्वीपसमूह में एकता और सौहार्द की भावना को और मजबूत करे।"

माननीय सांसद ने ब्लैकटॉप सड़क को आवाजाही के लिए समर्पित किया

श्री विजय पुरम, 13 जनवरी

माननीय सांसद, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह श्री बिष्णु पद राय ने 12 जनवरी, 2026 को रंगत तहसील के अंतर्गत वार्ड संख्या–2, पर्णशाला में नव–निर्मित ब्लैकटॉप सड़क का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सहायक आयुक्त, रंगत, पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) के सदस्य तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे। लगभग 700 मीटर लंबी इस सड़क का निर्माण ग्राम पंचायत निधि से 86 लाख रुपये की लागत से किया गया है तथा इसका उद्घाटन 12 जनवरी, 2026 को किया गया।

माननीय सांसद ने कहा कि यह परियोजना उनके सहयोग तथा प्रधान श्री बाला मुरुगन और ग्राम पंचायत के सदस्यों के समर्पित प्रयासों से पूर्ण हो सकी है। उन्होंने बताया कि यह सड़क वर्ष 1954 के बसने वालों की लंबे समय से लंबित मांग को पूरा करती है, जो पक्की सड़क संपर्क के अभाव में निरंतर कठिनाइयों का सामना कर रहे थे। श्री बिष्णु पद राय ने ग्राम पंचायत के प्रधान एवं सदस्यों के नेतृत्व में इस पुरानी मांग को पूरा करने तथा क्षेत्र में बुनियादी ढांचे में सुधार लाने के लिए ग्राम पंचायत की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस नई सड़क से परिवहन व्यवस्था में काफी सुविधा होगी और स्थानीय निवासियों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार आएगा।

मुख्य सचिव द्वारा राजभाषा विभाग की ई–पत्रिका "राजभाषा दर्पण" का विमोचन

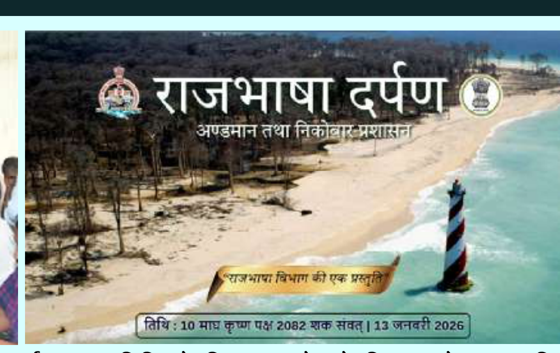

श्री विजय पुरम, 13 जनवरी

"अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के राजभाषा विभाग की ई–पत्रिका "राजभाषा दर्पण" का विमोचन आज डॉ. चंद्र भूषण कुमार, मुख्य सचिव, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारीगण और राजभाषा विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस ई–पत्रिका "राजभाषा दर्पण" में राजभाषा विभाग की विविध गतिविधियों, राजभाषा हिंदी के प्रचार–प्रसार हेतु किए जा रहे प्रयासों तथा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के क्रियाकलापों को विस्तार से प्रस्तुत किया गया है। पत्रिका में राजभाषा विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारियों द्वारा हिन्दी भाषा का इतिहास, राजभाषा के क्रियान्वयन और द्वीपसमूह में हिंदी भाषा के विकास आदि रोचक विषयों पर रचनात्मक लेखों को शामिल किया गया है। राजभाषा विभाग द्वारा इस ई–पत्रिका का प्रकाशन प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि हिंदी भाषा को सरकारी कार्यों में अधिकाधिक प्रयोग में लाया जाए और इसे जनसंपर्क का सशक्त माध्यम बनाया जाए ।"

डॉलीगंज में 20 मेगावाट बैटरी स्टोरेज परियोजना के लिए निविदाएं आमंत्रित

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन ने द्वीपसमूह में ऊर्जा आपूर्ति की विश्वसनीयता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए बैटरी स्टोरेज पर केंद्रित नई परियोजना की घोषणा की है। सचिव (विद्युत), भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्य करते हुए, दक्षिण अण्डमान क्षेत्र में ग्रिड से जुड़ी 20 मेगावाट क्षमता की बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम की स्थापना के लिए ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की गई हैं। इस परियोजना का स्थल श्री विजय पुरम के डॉलीगंज में चिन्हित किया गया है। इस पहल का उद्देश्य ग्रिड को स्थिर करना, पीक लोड मांग का प्रबंधन करना तथा द्वीपों की समग्र ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ करना है, जहां दूरस्थ स्थिति और सीमित उत्पादन श्रोतों पर निर्भरता के कारण अक्सर बिजली आपूर्ति में उतार–चढ़ाव रहता है।

(प्रतिनिधि चित्र /श्रेयः केनवा)

यह परियोजना आरईएससीओ मॉडल के अंतर्गत बिल्ड–ओन–ऑपरेट आधार पर विकसित की जाएगी। टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धी बोली के माध्यम से चयनित बोलीदाता 12 वर्षों की अवधि तक प्रणाली का निर्माण, स्वामित्व और संचालन करेगा

शेष पृष्ठ 4 पर

पठन के आनंद का उत्सवः द्वितीय अण्डमान–निकोबार पुस्तक मेला 14 से 22 फरवरी तक प्रदर्शनी मैदान में आयोजित होगा

श्री विजय पुरम, फरवरी

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी), नई दिल्ली के सहयोग से नौ दिवसीय अण्डमान–निकोबार पुस्तक मेला–श्रृंखला का दूसरा संस्करण–14 से 22 फरवरी, 2026 तक श्री विजय पुरम स्थित विस्तृत आईटीएफ ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य पठन–पाठन के प्रति रुचि को बढ़ावा देना तथा विशेष रूप से इन द्वीपों के युवाओं और विद्यार्थियों में साहित्यिक संस्कृति का संवर्धन करना है। यह पुस्तक मेला सभी आयु वर्ग के पाठकों के लिए लाभकारी होने के साथ–साथ प्रकाशन संस्थानों और लेखकों को पाठकों से सीधे जुड़ने का अवसर भी प्रदान करेगा।

पुस्तक मेले में मुख्यभूमि भारत के विभिन्न प्रकाशकों द्वारा लगाए गए अनेक स्टॉल होंगे, जिनमें विभिन्न विधाओं और लेखकों की पुस्तकों का विविध संग्रह प्रदर्शित किया जाएगा। इस मेगा आयोजन में मुख्यभूमि के प्रसिद्ध लेखक भी भाग लेने की संभावना है, जो पुस्तक हस्ताक्षर, संवादात्मक सत्रों एवं अन्य गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों से संवाद करेंगे। यह पुस्तक मेला लोगों को पुस्तकों की व्यापक श्रृंखला देखने और स्टॉल से सीधे पुस्तकें खरीदने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करेगा। पुस्तक मेले पठन

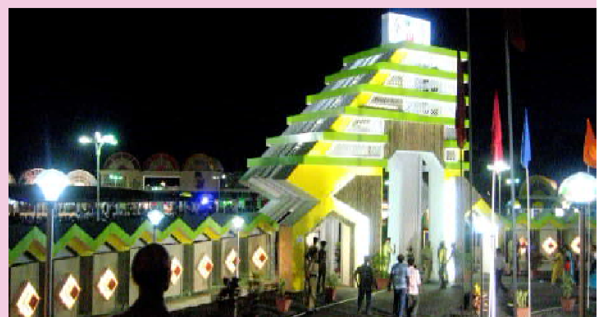

आदतों को प्रोत्साहित करने, पुस्तकों की व्यापक उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा लेखकों और पाठकों के बीच संवाद का मंच प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये साहित्य प्रेमियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और आम जनता के लिए नए विचारों की खोज, ज्ञानवर्धन और पठन के आनंद का उत्सव मनाने का केंद्र बनते हैं।

सभी से अनुरोध है कि अण्डमान–निकोबार पुस्तक मेले के इस द्वितीय संस्करण में सहभागिता करें, साहित्य की दुनिया का अन्वेषण करें और पठन के आनंद का उत्सव मनाएं।

लिकाबाली सभागार में एसएनआईसी 2026 का उद्घाटन

श्री विजय पुरम, 13 जनवरी

देश भर के 17 एनसीसी निदेशालयों से 180 एनसीसी कैडेटों का एक समूह, जिनमें अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के कैडेट भी शामिल हैं, आज से 22 जनवरी, 2026 तक श्री विजय पुरम स्थित ब्रिचगंज सैन्य स्टेशन में आयोजित विशेष राष्ट्रीय एकता शिविर 2026 में भाग लेने के लिए पीएल और जीसीआई स्टाफ के साथ पहुंचा है। कैडेटों का आगमन इस कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिसका उद्देश्य उनकी जागरूकता, अनुशासन और राष्ट्रीय एकता को बढ़ाना है।

उनके आगमन के बाद, ब्रिचगंज स्थित सैन्य स्टेशन के लिकाबली सभागार में शिविर कमांडेंट कर्नल हरितेजा ने कमांडिंग ऑफिसर (सेना इकाई) कर्नल के.वाई. सिंह और कमांडिंग ऑफिसर (नौसेना इकाई) लेफि्टनेंट कमांडर रियाज फारूक की उपस्थिति में कैडेटों को संबोधित किया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार जूनियर नेशनल मिलिट्री सर्विस (जेएनआरएम) के एएनओ लेफि्टनेंट डॉ. विवेक कुमार साहू ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह पर एक प्रस्तुति दी, जिसमें द्वीपों के इतिहास, रणनीतिक महत्व, संस्कृति, जैव विविधता और भौगोलिक महत्व पर प्रकाश डाला गया। कैडेटों का दस्तावेजीकरण शिविर स्थल पर किया गया।

उप चुनाव की घोषणा संबंधी सूचना

श्री विजय पुरम, 13 जनवरी

सामान्य जन को सूचित किया जाता है कि अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के लिए निर्वाचन आयोग (यूटी) द्वारा निम्नलिखित पदों हेतु उप चुनाव घोषित किया गया है, जो दिनांक 8 फरवरी, 2026 को आयोजित किए जाएंगे।

डिगलीपुर तहसील के अंतर्गत ग्राम पंचायत मधुपुर के मधुपुर–6 ग्राम पंचायत सदस्य निर्वाचन क्षेत्र, मयाबंदर तहसील के अंतर्गत ग्राम पंचायत हरिनगर के हरिनगर–1 ग्राम पंचायत सदस्य निर्वाचन क्षेत्र, रंगत तहसील के अंतर्गत ग्राम पंचायत बकुलतला के बकुलतला–3 ग्राम पंचायत सदस्य निर्वाचन क्षेत्र, फरारगंज तहसील के अंतर्गत ग्राम पंचायत मनारघाट के मनारघाट–4 तथा ग्राम पंचायत होप टाउन के बम्बूफ्लाट–1 ग्राम पंचायत सदस्य निर्वाचन क्षेत्र, जिला परिषद सदस्य उत्तर एवं मध्य अण्डमान, मयाबंदर तथा श्री विजय पुरम नगरपालिका परिषद के वार्ड संख्या–17 के वार्ड काउंसलर पद के लिए उपचुनाव कराए जाएंगे।

निर्वाचन आयुक्त (यूटी), नई दिल्ली द्वारा अधिसूचित संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारियों का विवरण, समस्त संबंधितों की जानकारी के लिए नीचे प्रकाशित किया जा रहा है।

क्रम संख्या	तहसील का नाम	निर्वाचन क्षेत्र/वार्ड का नाम	कैजुअल वैकेंसी की जानकारी	आरओ और एआरओ का नाम
1	श्री विजय पुरम	वार्ड नंबर 17 (17–1 से 17–7)	वार्ड काउंसलर	मिस प्रियंका कुमारी, दानिक्स (रिटर्निंग ऑफिसर, वार्ड नंबर 17, एसवीपीएमसी) निदेशक (कृषि)/ एडीएम (एसए), श्री विजय पुरम– फोन नंबर 7827185093
				डॉ. धीरज कुमार, डिप्टी डायरेक्टर एजुकेशन (पर्सनेल) (असिस्टेंट रिटर्निंग ऑफिसर, वार्ड नंबर 17, एसवीपीएमसी) डायरेक्टर ऑफ एजुकेशन, श्री विजय पुरम– फोन नंबर 9046926006/7063907770
2	डिगलीपुर	ग्राम पंचायत मधुपुर का मधुपुर–6	ग्राम पंचायत मेंबर	श्री बलबीर सिंह, वाइस प्रिंसिपल (रिटर्निंग ऑफिसर, ग्राम पंचायत मधुपुर) जीएसएस मधुपुर, फ़ोन नंबर 9434272526
				श्री स्वपन कुमार पॉल, पीजीटी (कॉमर्स), (असिस्टेंट रिटर्निंग ऑफिसर, ग्राम पंचायत मधुपुर) च्ड श्री जीएसएसएस सुभाषग्राम– फ़ोन नंबर 9474299759
3	मायाबंदर	ग्राम पंचायत हरिनगर का हरिनगर–1	ग्राम पंचायत मेंबर	मिस वाई कलैयारसी, असिस्टेंट इंजीनियर (रिटर्निंग ऑफिसर, ग्राम पंचायत हरिनगर) ऑफिस असिस्टेंट इंजीनियर, एनएसीडी, एसवीपीएमसी, मायाबंदर, फ़ोन नंबर 9474289804
				मिस सी विजयलक्ष्मी, जूनियर इंजीनियर (सिविल) (सहायक रिटर्निंग अधिकारी, ग्राम पंचायत हरिनगर), जूनियर इंजीनियर (सिविल) का कार्यालय, एनएसीडी, एपीडब्ल्यूडी, स्वदेश नगर सेक्शन, फोन नंबर 9531918897
4	रंगत	ग्राम पंचायत हरिनगर का बकुलतला–3	ग्राम पंचायत मेंबर	श्री अलकब हसन, एसीएफ़ (एमए) (रिटर्निंग ऑफिसर, ग्राम पंचायत बकुलतला) व्ध्व जीम डीएफओ, मिडिल अंडमान, रंगत चे. छव. 9434308693
				श्रीमती सुमा आनंद कश्यप, वन रेंजर, (सहायक रिटर्निंग अधिकारी, ग्राम पंचायत बकुलतला), एफओ, मध्य अंडमान के अंतर्गत रेंज कार्यालय, बकुलतला, फोन नंबर 9679505919
5	फेरारगंज	ग्राम पंचायत मन्नारघाट का मन्नारघाट–4	ग्राम पंचायत मेंबर	श्री अजीत वी जॉन, सीएफ़ (रिटर्निंग ऑफिसर, ग्राम पंचायत मन्नारघाट) फॉरेस्ट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, विम्बरलीगंज फ़ोन नंबर 9474290171
				श्री आकाश, जूनियर इंजीनियर, (असिस्टेंट रिटर्निंग ऑफिसर, ग्राम पंचायत मन्नारघाट), ऑफिस एपीडब्ल्यूडी, आरसीडी विम्बरलीगंज, फोन नंबर 7063963688
6		ग्राम पंचायत होप टाउन का बम्बूफ्लैट–1	ग्राम पंचायत मेंबर	श्री आर एस शरथ, एसीएफ (रिटर्निंग ऑफिसर, ग्राम पंचायत होप टाउन) डीएफओ (एसए) ऑफिस, विम्बरलीगंज, फोन नंबर 9474282189
				स्मति विद्या मनोज, पीजीटी (मैथ्स), (असिस्टेंट रिटर्निंग ऑफिसर, ग्राम पंचायत होप टाउन), जीएसएसएस, विम्बरलीगंज, फ़ोन नंबर 9932083016
7	तहसील का नाम	मायाबंदर निर्वाचन क्षेत्र	ग्राम पंचायत मेंबर	श्री एस. जोसेफ, बी.डी.ओ (रिटर्निंग ऑफिसर, जिला परिषद सदस्य, मायाबंदर निर्वाचन क्षेत्र) ऑफिस ब्क ब्लॉक, मायाबंदर फ़ोन नंबर 9434283951
				श्री ए. सी. श्याम, जूनियर इंजीनियर (सिविल), (सहायक रिटर्निंग अधिकारी, जिला परिषद सदस्य, मायाबंदर निर्वाचन क्षेत्र), जूनियर इंजीनियर (सिविल) का कार्यालय, एनएसीडी, एपीडब्ल्यूडी, लखनऊ अनुभाग, फोन नंबर. 9434290501

विवेकानंद केंद्र विद्यालय में स्वामी विवेकानंद जयंती एवं राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन

श्री विजय पुरम, 13 जनवरी

विवेकानंद केंद्र विद्यालय, श्री विजय पुरम में डॉ. बी. आर. अंबेडकर सभागार में कल 163वीं स्वामी विवेकानंद जयंती एवं राष्ट्रीय युवा दिवस बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मत्स्य निदेशक सुश्री जगताप कल्याणी राजेंद्र मुख्य अतिथि तथा आईसीएमआर के निदेशक डॉ. अपरूप दास विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने .ढ़ संकल्प, आत्मविश्वास और समाज व राष्ट्र की सेवा के महत्व पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि ने स्वामी विवेकानंद के आदर्शों की प्रासंगिकता पर चर्चा करते हुए शिकागो में धर्म संसद में दिए गए उनके प्रेरणादायक भाषण को स्मरण किया।

कार्यक्रम में प्रार्थना नृत्य, बालवाटिका के विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति नृत्य, नाटिका, स्वामी विवेकानंद पर आधारित गीत तथा लोक नृत्यों सहित रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा स्वागत भाषण से हुई तथा उप प्रधानाचार्य द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

चिकित्सा अधिकारियों के साक्षात्कार पुनर्निर्धारित

श्री विजय पुरम, 13 जनवरी

प्रशासनिक कारणों से सामान्य ड्यूटी चिकित्सा अधिकारी (एलोपैथी) एवं सामान्य ड्यूटी चिकित्सा अधिकारी (एलोपैथी–टेली मेडिसिन) के पदों हेतु 14 जनवरी, 2026 तथा सामान्य ड्यूटी चिकित्सा अधिकारी (होम्योपैथी) एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह) के अंतर्गत शिकायत निवारण–सह–आईईसी प्रबंधक के पद हेतु 15 जनवरी, 2026 को होने वाले साक्षात्कार को पुनर्निर्धारित किया गया है।

यूटी हेल्थ मिशन की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार अब सामान्य ड्यूटी चिकित्सा अधिकारी (एलोपैथी) एवं सामान्य ड्यूटी चिकित्सा अधिकारी (एलोपैथी–टेली मेडिसिन) के पदों के लिए साक्षात्कार 22 जनवरी, 2026 को तथा सामान्य ड्यूटी चिकित्सा अधिकारी (होम्योपैथी) एवं शिकायत निवारण–सह–आईईसी प्रबंधक के पद के लिए 23 जनवरी, 2026 को आयोजित किए जाएंगे।

डॉलीगंज में 20 मेगावाट बैटरी स्टोरेज ——पृष्ठ 1 का शेष

तथा इस अवधि में सुचारु संचालन एवं अनुरक्षण सुनिश्चित करेगा। निविदा में प्रणाली की उपलब्धता, समग्र दक्षता और बैटरी स्वास्थ्य संरक्षण से संबंधित प्रदर्शन गारंटी पर विशेष जोर दिया गया है, जो दीर्घकालिक स्थिरता और आर्थिक व्यवहार्यता के लिए महत्वपूर्ण हैं। परियोजना की अनुमानित कुल लागत लगभग 60 करोड़ रुपये है। इच्छुक बोलीदाताओं को निविदा के साथ 1,20,00,000 रुपये की बयाना राशि जमा करनी होगी। हालांकि, एनएसआईसी, डीआईसी या उद्योग आधार के अंतर्गत पंजी.त सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को बयाना राशि से छूट प्रदान की गई है। कंसोर्टियम के मामले में, इस छूट के लिए समूह के सभी सदस्यों का एमएसएमई के रूप में पंजीकृत होना अनिवार्य होगा। छूट के लिए आवेदन करने वाले बोलीदाताओं को निविदा प्रक्रिया के दौरान वैध वैध दस्तावेज एवं स्कैन किए गए प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने होंगे। निविदा केवल उन्हीं बोलीदाताओं के लिए खुली है जो रिक्वेस्ट फॉर सेलेक्शन (आरएफएस) या रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) दस्तावेजों में निर्धारित न्यूनतम तकनीकी और वित्तीय मानदंडों को पूरा करते हों। आवेदकों के पास वैध जीएसटीएन, पीएएन होना चाहिए तथा जहां लागू हो, ईपीएफ और ईएसआई मानदंडों का अनुपालन आवश्यक है। इसके अतिरिक्त, बैटरी स्टोरेज या हाइब्रिड बीईएसएस परियोजनाओं में पूर्व अनुभव भी अनिवार्य होगा। निविदा दस्तावेजों के प्रावधानों के अनुसार, निर्धारित शर्तों के अंतर्गत कंसोर्टियम और संयुक्त उपक्रमों को भी भागीदारी की अनुमति दी जा सकती है। निविदा सूचना 8 जनवरी, 2026 को जारी की गई थी। प्री–बिड बैठक, बोली जमा करने और तकनीकी बोली खोलने की महत्वपूर्ण तिथियां आधिकारिक ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर टेंडर इंफॉर्मेशन सिस्टम में उपलब्ध हैं। इच्छुक बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे पूर्ण कार्यक्रम और अन्य स्पष्टीकरणों के लिए पोर्टल देखें। यह परियोजना अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की ऊर्जा अवसंरचना के आधुनिकीकरण तथा क्षेत्र के भविष्य के विकास को समर्थन देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। (स्रोतः https://solarquarter.com/)

शहीद द्वीप में विश्व युवा दिवस 2026 के अवसर पर विवेकानंद मेला उत्साहपूर्वक आरंभ

शहीद द्वीप, 13 जनवरी

विश्व युवा दिवस 2026 के उपलक्ष्य में आयोजित सप्ताह भर चलने वाले विवेकानंद मेले का शुभारंभ कल शहीद द्वीप में अत्यंत उत्साह और उमंग के साथ हुआ। यह मेला स्वामी विवेकानंद की जयंती के स्मरण तथा राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका को रेखांकित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य अभियंता, अण्डमान लोक निर्माण विभाग (एपीडब्ल्यूडी), श्री विजय पुरम, श्री टी.के. प्रिजिथ रेख उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत शहीद द्वीप के प्रधान, श्री विजय पुरम पंचायत समिति, प्रोत्थापुर के प्रमुख, पंचायती राज संस्थानों के सदस्य, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी, तथा बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी और पर्यटक शामिल हुए।

विवेकानंद मेला विकासात्मक पहलों और जन–जागरूकता गतिविधियों का सजीव प्रदर्शन प्रस्तुत कर रहा है। अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए हैं, जिनमें उनकी योजनाओं, सेवाओं और उपलब्धियों को आम जनता के लाभ हेतु प्रदर्शित किया जा रहा है। मेले में पर्यटकों की भी सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है।

उद्घाटन समारोह का एक प्रमुख आकर्षण विद्यालयी छात्रों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम रहे, जिनमें देशभक्ति गीत, नृत्य और स्वामी विवेकानंद के आदर्शों से प्रेरित नाटिकाएं शामिल थीं। इन प्रस्तुतियों को दर्शकों से व्यापक सराहना मिली। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने शहीद द्वीप में अण्डमान लोक निर्माण विभाग द्वारा किए गए महत्वपूर्ण विकास कार्यों पर प्रकाश डाला, जिनसे बुनियादी ढांचे में सुधार हुआ है और द्वीपवासियों के जीवन स्तर में वृद्धि हुई है। उन्होंने सतत विकास एवं द्वीपों की विशिष्ट विरासत के संरक्षण में युवाओं की भागीदारी के महत्व पर भी बल दिया।

पंचायत समिति, प्रोत्थापुर की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि उद्घाटन समारोह का समापन युवाओं को सशक्त बनाने, समावेशी विकास को बढ़ावा देने तथा स्वामी विवेकानंद के मूल्यों को आत्मसात कर एक प्रगतिशील और सशक्त समाज के निर्माण के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

श्री विजय पुरम में ग्रामीण सड़कों के नवीनीकरण कार्यों का उद्घाटन

श्री विजय पुरम, 13 जनवरी

ग्राम पंचायत स्टीवर्टगंज द्वारा नवीनीकृत स्टीवर्टगंज जंक्शन से के.वी. हम्ज़ा हाउस तक की ग्रामीण सड़क तथा पंचायत समिति, फरारगंज द्वारा निष्पादित रांची बस्ती से माता मंदिर, टापू बस्ती तक की नवीनीकृत ग्रामीण सड़क का आज उद्घाटन किया गया।

इन विकासात्मक कार्यों का उद्घाटन श्री प्रकाश अधिकारी, अध्यक्ष, ज़िला परिषद, दक्षिण अण्डमान द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्रीमती डी. पद्मावती, प्रमुख, पंचायत समिति, फरारगंज, श्री एम.के. हुसैन, प्रधान, ग्राम पंचायत स्टीवर्टगंज तथा श्री ए. उमर, ज़िला परिषद सदस्य भी उपस्थित थे।

दक्षिण अण्डमान ज़िला परिषद की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि इन विकास कार्यों का उद्देश्य सड़क संपर्क में सुधार करना और स्थानीय निवासियों को बेहतर बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराना है। इन कार्यों से क्षेत्र के लोगों को होने वाली कठिनाइयों में उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद है।

वीकेजेडपी विद्यालय, पोर्ट मोट में स्वामी विवेकानंद जयंती एवं राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया

श्री विजय पुरम, 13 जनवरी

विवेकानंद केंद्र जिला परिषद विद्यालय (वीकेजेडपी), पोर्ट मोट में कल 163वीं स्वामी विवेकानंद जयंती एवं राष्ट्रीय युवा दिवस उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में दक्षिण अण्डमान जिला परिषद के अध्यक्ष श्री प्रकाश अधिकारी मुख्य अतिथि तथा छोलदारी निर्वाचन क्षेत्र की जिला परिषद सदस्य श्रीमती प्रमिला कुमारी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

विद्यार्थियों ने देशभक्ति एवं लोक नृत्य, स्वामी विवेकानंद के जीवन और शिक्षाओं पर आधारित नाटिका तथा राष्ट्रीय युवा दिवस के महत्व पर भाषण प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी से कार्यक्रम में विशेष ऊर्जा और रंगत देखने को मिली।

दक्षिण अंडमान जिला परिषद से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार विद्यार्थियों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए पुरस्कार वितरण समारोह भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम का समापन प्रधानाध्यापिका श्रीमती सबिता देवी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

संयुक्त स्नातक स्तरीय (टियर–2) परीक्षा, 2025 के आयोजन संबंधी सूचना

श्री विजय पुरम, 13 जनवरी

उप सचिव (आर एंड ई) द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि कर्मचारी चयन आयोग 18 एवं 19 जनवरी को संयुक्त स्नातक स्तरीय (टियर–2) परीक्षा, 2025 का आयोजन करने जा रहा है। परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों के ई–एडमिट कार्ड निर्धारित परीक्षा तिथि से 3–4 दिन पूर्व आयोग की वेबसाइट (https://ssc.gov.in/ |https://sscer.org/) पर उपलब्ध करा दिए जाएंगे।

दक्षिण अण्डमान में प्रथम प्राथमिक विद्यालय सीआरसी स्तरीय वार्षिक एथलेटिक मीट 2025–26 का आयोजन

श्री विजय पुरम, 13 जनवरी

उप शिक्षा अधिकारी, दक्षिण अण्डमान के कार्यालय द्वारा कल नेताजी स्टेडियम में प्रथम प्राथमिक विद्यालय सीआरसी स्तरीय वार्षिक एथलेटिक मीट 2025–26 का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में प्राथमिक स्तर पर खेलों के संवर्धन की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि रहा।

इस एथलेटिक मीट में 9 सीआरसी/ज़ोनों से कुल 450 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसमें प्रत्येक सीआरसी से 50 छात्र शामिल थे। अंतर–द्वीपीय विद्यालयों के छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु शिक्षा निदेशालय द्वारा उनके लिए विशेष यात्रा एवं आवास की व्यवस्था की गई, ताकि उनकी सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

इस अवसर पर शिक्षा निदेशक श्री विक्रम सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने नन्हे खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया तथा प्रारंभिक आयु से ही शारीरिक फिटनेस, अनुशासन और खेल भावना के महत्व पर बल दिया। कार्यक्रम में प्राथमिक विद्यालय के छात्रों के लिए उपयुक्त विभिन्न ट्रैक एवं फील्ड प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता अनुसार परिणाम (बालक एवं बालिका):

मार्च पास्ट

प्रथमः सीआरसी जीएमएसएसएस एसवीपी

द्वितीयः सीआरसी जीएसएसएस गाराचरामा एवं जीएसएसएस गर्ल्स

तृतीयः सीआरसी जीएसएसएस स्वराज द्वीप

व्यक्तिगत चैंपियनशिप–समूह 'सी' (कक्षा 2 एवं 3)

बलकः साहिल राम, सीआरसी मंगलूटन स्कूल

व्यक्तिगत चैंपियनशिप–समूह 'डी' (कक्षा 4 एवं 5)

बलकः यूजिनी वर्गीज, सीआरसी जीएमएसएसएस एसवीपी

बलिकाः ए. स्टेला, सीआरसी स्कूल लाइन स्कूल

ओवरऑल चैंपियनः सीआरसी मंगलूटान स्कूल

उप शिक्षा अधिकारी, दक्षिण अण्डमान की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि विजेताओं एवं प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और सहभागिता के लिए पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) एस. बिजू पिल्लै
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

सूचना

फा. सं. 23/DBRAIT/AC/119 दिनांक 13.01.2026

डॉ. बी. आर. अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, श्री विजय पुरम में डिप्लोमा कार्यक्रम के अंतर्गत अतिथि प्राध्यापक एवं अंशकालिक प्रशिक्षकों की भर्ती हेतु (अकादमिक सत्र 2025–26, सम सेमेस्टर) साक्षात्कार (सिद्धांत एवं प्रायोगिक) का आयोजन 17 जनवरी, 2026 को किया जाना निर्धारित है।

साक्षात्कार से संबंधित शैक्षणिक योग्यताएँ, कार्यक्रम तथा डेमो विषयों का विवरण संस्थान की वेबसाइट https://dbrait.andamannicobar.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

पात्र अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि वे साक्षात्कार के समय अपना बायोडाटा (रिज़्यूम) एवं शैक्षणिक योग्यता, प्रशिक्षण, अनुभव आदि से संबंधित स्वप्रमाणित प्रतियाँ प्रस्तुत करें। साथ ही, सत्यापन हेतु मूल दस्तावेज भी अनिवार्य रूप से साथ लाएँ।

डीन (अकादमिक), डीब्राइट

सूचना

फा. सं. 2-3/DBRAIT/AC/94 दिनांक 12.01.2026

डॉ. बी. आर. अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, श्री विजय पुरम में डिग्री कार्यक्रम के अंतर्गत अतिथि सहायक प्राध्यापक एवं अंशकालिक प्रशिक्षकों की भर्ती हेतु (अकादमिक सत्र 2025–26, सम सेमेस्टर) साक्षात्कार (सिद्धांत एवं प्रायोगिक) का आयोजन 16 जनवरी, 2026 को किया जाना निर्धारित है।

साक्षात्कार से संबंधित शैक्षणिक योग्यताएँ, कार्यक्रम तथा डेमो विषयों का विवरण संस्थान की वेबसाइट https://dbrait.andamannicobar.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

पात्र अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि वे साक्षात्कार के समय अपना बायोडाटा (रिज़्यूम) एवं शैक्षणिक योग्यता, प्रशिक्षण, अनुभव आदि से संबंधित स्वप्रमाणित प्रतियाँ प्रस्तुत करें। साथ ही, सत्यापन हेतु मूल दस्तावेज भी अनिवार्य रूप से साथ लाएँ।

डीन (अकादमिक–डिग्री), डीब्राइट

सरकारी बहुशिल्प संस्थान डिगलीपुर
GOVT. POLYTECHNIC DIGLIPUR
अंडमान तथा निकोबार प्रशासन
Andaman & Nicobar Administration

NOTICE

E- File No.: 4032/122 Dated: 13/01/2026

The interview (demo theory and practical) for recruitment of Guest Lecturers and Part Time Instructors in various Diploma Programs in the establishment of Govt. Polytechnic Diglipur for the Academic Session 2025-26 (Even semester) is scheduled on 17th Jan 2026 at Govt. Polytechnic Diglipur. The details of qualifications, schedule for interview and demo topics can be downloaded from the institute website https://dbrait.andamannicobar.gov.in. The eligible candidates are informed to bring their original documents and resume along the duly self-attested copies of education qualification, trainings, experience, etc. For any queries candidates may contact Academic Cell, DBRAIT and Govt. Polytechnic Diglipur on all working days from 09:00 AM to 03:00 PM or can contact over phone no. 03192-210955.

Principal i/c
Govt. Polytechnic, Diglipur.

जर्मन चांसलर का दो दिवसीय भारत दौरा संपन्न

नई दिल्ली, 13 जनवरी।

जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज दो दिवसीय भारत दौरा पूरा कर आज मंगलवार को स्वदेश रवाना हो गए। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने उन्हें अहमदाबाद एयरपोर्ट पर विदा किया। यात्रा के पहले दिन दोनों देशों के बीच कई समझौते हुए जो रणनीतिक, आर्थिक और रक्षा क्षेत्र में सहयोग पर आधारित थे।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और चांसलर मर्ज ने सोमवार को, गांधीनगर के महात्मा मंदिर कन्वेंशन एंड एग्जिबिशन सेंटर में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की थी।

इस सफल वार्ता के बाद प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट में लिखाः "अहमदाबाद में चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ की मेजबानी करना खुशी की बात थी। उनकी यात्रा ने भारत–जर्मनी संबंधों में नई गति दी है, क्योंकि हम अपनी रणनीतिक साझेदारी के 25 साल और राजनयिक संबंधों के 75 साल मना रहे हैं। उन्होंने एशिया में अपनी पहली यात्रा के लिए भारत को चुना और इससे हम बेहद गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। यह मजबूत भारत–जर्मनी संबंधों के प्रति उनकी व्यक्तिगत प्रतिबद्धता को दर्शाता है।"

उन्होंने आगे कहा, "हम रक्षा, अंतरिक्ष और अन्य महत्वपूर्ण और उभरती टेक्नोलॉजी में गहरे सहयोग के साथ अपने संबंधों को गुणात्मक रूप से उच्च स्तर पर ले जाने पर सहमत हुए। हमारी जलवायु, भरोसेमंद और लचीली सप्लाई चेन, कौशल विकास, शिक्षा, खेल और सांस्कृतिक और लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने के संयुक्त प्रयासों पर भी बात हुई।"

कंटेंट क्रिएटर्स प्रसार भारती पर दिखा सकते हैं अपनी प्रतिभा, जानें क्या हैं नियम

नई दिल्ली, 13 जनवरी।

प्रसार भारती ने शुक्रवार को डीडी न्यूज पर क्रिएटर्स कॉर्नर नाम से एक नया सेगमेंट शुरू किया है। इसका मकसद देशभर के उभरते डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स को एक राष्ट्रीय मंच देना है। यह पहल केंद्र सरकार की उस सोच से जुड़ी है, जिसमें भारत की तेजी से बढ़ती क्रिएटर इकोनॉमी को पहचान देने और उसे मुख्यधारा में लाने पर जोर दिया जा रहा है। सरकार की ऑरेंज इकोनॉमी (जो नए और अनोखे विचारों, क्रिएटिविटी, संस्कृति और अपनी बनाई हुई चीजों पर आधारित होती है) को मजबूत करने की नीति के अनुरूप यह मंच न केवल कंटेंट क्रिएशन को नई पहचान देगा, बल्कि छोटे शहरों और क्षेत्रीय भाषाओं में काम कर रहे क्रिएटर्स के लिए भी नए अवसर खोलेगा।

यह पहल ऐसे समय में आई है, जब भारत की क्रिएटर इकोनॉमी तेजी से बढ़ रही है और डिजिटल प्लेटफॉर्म से निकलकर अब सार्वजनिक प्रसारण का हिस्सा बनने जा रही है। प्रसार भारती ने शुक्रवार को डीडी न्यूज पर क्रिएटर्स कॉर्नर सेगमेंट शुरू किया है। यह पहल केंद्र सरकार की उस सोच से जुड़ी है, जिसमें भारत की तेजी से बढ़ती क्रिएटर इकोनॉमी को पहचान देने और उसे मुख्यधारा में लाने पर जोर दिया जा रहा है।

इस सेगमेंट की शुरुआत सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते दस वर्षों में देश के कई क्षेत्रों में बड़े बदलाव हुए हैं। अब इसी तरह के सुधार प्रसार भारती में भी किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि साल 2026 को 'बड़े सुधारों का साल' माना जा रहा है, जिसमें सूचना और प्रसारण मंत्रालय का पुनर्गठन भी शामिल है, जिससे दूरदर्शन और ऑल इंडिया रेडियो जैसे संस्थान क्रिएटर्स के लिए ज्यादा अनुकूल और तकनीक आधारित बन सकें।

अश्विनी वैष्णव ने पिछले साल शुरू किए गए WAVES प्लेटफॉर्म का जिक्र करते हुए कहा कि यह ऑरेंज इकोनॉमी के लिए गेम चेंजर साबित हो रहा है। इस प्लेटफॉर्म से करीब एक करोड़ युवा क्रिएटर्स को मौके मिला है, नए रोजगार बने हैं और लगभग 5,000 करोड़ रुपये की आर्थिक गतिविधि पैदा हुई है।

'क्रिएटर्स कॉर्नर' डीडी न्यूज पर सोमवार से शुक्रवार शाम 7 बजे प्रसारित होगा। इसको दोबारा अगले दिन सुबह 9:30 बजे प्रसारित किया जाएगा। हर एपिसोड में 4 से 6 छोटे वीडियो दिखाए जाएंगे, जिनमें खबरें, संस्कृति, यात्रा, खान–पान, कला, स्वास्थ्य, शिक्षा, विज्ञान, पर्यावरण और मनोरंजन जैसे विषय शामिल होंगे। जो क्रिएटर्स इसमें हिस्सा लेना चाहते हैं, वे प्रसार भारती के जरिए ईमेल या संपर्क नंबर के जरिए अपना कंटेंट भेज सकते हैं।

अंडर–19 विश्व कपः 15 जनवरी से शुरू हो रहा मेगा इवेंट, 16 टीमें ले रही हैं हिस्सा

नई दिल्ली, 13 जनवरी।

अंडर–19 विश्व कप की शुरुआत 15 जनवरी से हो रही है। विश्व कप 15 जनवरी से 6 फरवरी तक संयुक्त रूप से जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा। विश्व कप में 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें 4–4 के ग्रुप में बांटा गया है। भारतीय टीम यूएसए, बांग्लादेश, और न्यूजीलैंड के साथ ग्रुप ए में है। आइए जानते हैं कि भारतीय टीम के मैच कब और कहां खेले जाएंगे। अंडर–19 विश्व कप के पहले दिन ही (15 जनवरी) भारत का मुकाबला यूएसए के साथ है। मैच क्वींस स्पोर्ट्स क्लब, बुलावायो, जिम्बाब्वे में भारतीय समयानुसार 1 बजे से शुरू होगा।

भारतीय टीम का दूसरा मुकाबला 17 जनवरी को बांग्लादेश के खिलाफ खेला जाएगा। ये मैच भी क्वींस स्पोर्ट्स क्लब, बुलावायो, जिम्बाब्वे में ही भारतीय समयानुसार 1 बजे से खेला जाएगा। भारत और बांग्लादेश के बीच मौजूदा हालात को देखते हुए इस मैच के रोमांचक होने की उम्मीद है। भारतीय टीम का लीग स्टेज का तीसरा मुकाबला 24 जनवरी को बुलावायो में ही खेला जाएगा। यह मैच भी भारतीय समयानुसार 1 बजे ही शुरू होगा। ग्रुप की शीर्ष दो टीम अगले स्टेज के लिए क्वालिफाई करेंगी।

अन्य ग्रुप पर नजर डालें तो ग्रुप बी में पाकिस्तान, स्कॉटलैंड, जिंबाब्वे और इंग्लैंड हैं। ग्रुप सी में ऑस्ट्रेलिया, जापान, आयरलैंड और श्रीलंका हैं। ग्रुप डी में दक्षिण अफ्रीका, तंजानिया, अफगानिस्तान और वेस्टइंडीज हैं।

अंडर–19 विश्व कप 2026, विश्व कप का 16वां संस्करण है। पिछले 15 संस्करणों में भारतीय टीम सबसे सफल टीम बनकर उभरी है। भारतीय टीम 5 बार चैंपियन रही है। ऑस्ट्रेलिया ने 4 बार ये खिताब जीता है। पाकिस्तान 2 बार चैंपियन रहा है। इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और बांग्लादेश भी एक–एक बार चैंपियन रह चुकी हैं।

ऑस्ट्रेलिया मौजूदा विजेता है। 2024 में हुए फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 79 रन से हराकर खिताब जीता था।

इस विश्व कप में भारतीय टीम के जिस बल्लेबाज के प्रदर्शन पर दुनियाभर के क्रिकेट प्रेमियों की नजर रहने वाली है, वो बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी हैं। साल 2025 में आईपीएल, भारत की अंडर–19 और अपनी घरेलू टीम बिहार के लिए खेलते हुए वैभव ने रनों का अंबार लगाया है। देखना होगा विश्व कप जैसे मेगा इवेंट में उनका प्रदर्शन कैसा रहता है।

अंडर–19 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय टीम– आयुष म्हात्रे (कप्तान), आर.एस. अंबरीश, कनिष्क चौहान, डी. दीपेश, मोहम्मद एनान, एरन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, किशन कुमार सिंह, विहान मल्होत्रा, उद्धव मोहन, हेनिल पटेल, खिलन ए. पटेल, हरवंश सिंह, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी।

आईआईटी रुड़की : वैज्ञानिकों ने जल से विषैले प्लास्टिक प्रदूषकों को हटाने की नैनो सक्षम तकनीक विकसित की

हरिद्वार, 13 जनवरी।

आईआईटी रुड़की के वैज्ञानिकों ने प्लास्टिक के विष्कारी रसायन फ़्थेलेट्स को पानी से अलग करने की नेनो सक्षम तकनीक विकसित की है। यह शोध एसीएसईएस एंड टी वॉटर में प्रकाशित हुआ है।

शोध दल ने अध्ययन में यह पाया कि विशेष रूप से डिजाइन नैनोफॉस्फेट प्रदूषक–विघटन करने वाले जीवाणुओं को उत्तेजित करते हैं, जिससे कुछ ही घंटों के भीतर फ़्थेलेट्स को हटाया जा सकता है, यहाँ तक कि पोषक–तत्व–विहीन जल में भी। फ़्थेलेट्स सामान्यतः नदियों, भूजल और अपशिष्ट जल में पाए जाते हैं।

फ़्थेलेट्स को दूर करने के लिए, आईआईटी रुड़की के शोधकर्ताओं ने बहु–पोषक नैनोफॉस्फेट कण डिज़ाइन किए, जो सूक्ष्म पोषक–भंडार के रूप में कार्य करते हैं। ये कण फॉस्फोरस, मैग्नीशियम, कैल्शियम और सूक्ष्म धातुओं जैसे आवश्यक तत्वों को धीरे–धीरे ठीक उसी स्थान और समय पर मुक्त करते हैं, जब जीवाणुओं को उनकी आवश्यकता होती है। इस विकसित नैनोफॉस्फेट्स ने तीन घंटों के भीतर फ़्थेलेट्स का लगभग पूर्ण निष्कासन संभव बनाया।

शोधकर्ताओं का कहना कि हमारा अनुसंधान दर्शाता है कि नैनोफॉस्फेट्स पर्यावरण पर भार डाले बिना सतत पोषण प्रदान करते हैं। नैनो फास्फेट का यह प्रयोग नल जल, नदी जल और कृत्रिम अपशिष्ट जल नमूनों सहित अनेक वास्तविक जल प्रकारों में सफल सिद्ध हुआ। सभी मामलों में, जल रसायन में अंतर के बावजूद जीवाणुओं ने उच्च सक्रियता बनाए रखी और फ़्थेलेट्स को कुशलतापूर्वक विघटित किया। शोध दल का मानना है कि इस अवधारणा को अन्य प्रदूषकों और सूक्ष्मजीवी प्रणालियों तक विस्तारित किया जा सकता है, जिससे सतत जल और मृदा पुनर्स्थापन के लिए मापनीय, कम–इनपुट प्रौद्योगिकियों के नए द्वार खुलेंगे।

फैटी लिवर वालों के लिए चेतावनीः शुगर, बीपी और कम एचडीएल का मेल पड़ सकता है जानलेवा!

नई दिल्ली, 13 जनवरी।

अक्सर हम सोचते हैं कि फैटी लिवर सिर्फ खान–पान या मोटापे की वजह से होता है, लेकिन केक मेडिसिन (यूएससी) की रिसर्च ने बताया कि अगर किसी को फैटी लिवर है, तो उसके शरीर में मौजूद कुछ मेटाबोलिक रिस्क फैक्टर (जैसे ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल वगैरह) दूसरों से ज्यादा खतरनाक हो सकते हैं।

इस स्थिति को MASLD (मेटाबोलिक डिसफंक्शन–एसोसिएटेड स्टीटोटिक लिवर डिजीज) कहा जाता है। इसे ही ज्यादातर लोग नॉन–अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज (एनएएफएलडी) कहते थे। मूलतः, लिवर में वसा जमा हो जाती है, और समय के साथ यह गंभीर क्षति का कारण बन सकती है। मुश्किल बात यह है कि MASLD अक्सर अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के साथ आता हैः मोटापा, हाई ब्लड प्रेशर, हाई ब्लड शुगर, कोलेस्ट्रॉल की समस्याएं, आदि। जोखिम की बात करें तो ये सभी समान नहीं हैं।

अगर आपको MASLD (यानी फैटी लिवर डिजीज का नया नाम) है, तो उससे जुड़ी कुछ मेटाबोलिक समस्याएं (चयापचय संबंधी दिक्कतें) आपकी सेहत के लिए खास तौर पर खतरनाक हो सकती हैं।

अध्ययन में पाया गया है कि अगर किसी व्यक्ति को डॉक्स के साथ इनमें से तीन आम समस्याओं में से कोई एक भी हो, जैसे शुगर (डायबिटीज), हाई ब्लड प्रेशर, या बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल, तो उसकी मौत का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

ज्यादातर लोग सोचते हैं कि चयापचय संबंधी बीमारियों में डायबिटीज सबसे बड़ा खतरा है। लेकिन इस अध्ययन में, हाई ब्लड प्रेशर MASLD का सबसे घातक साथी निकला। अगर आपको MASLD और हाई ब्लड प्रेशर है, तो आपकी मृत्यु का जोखिम उन लोगों की तुलना में लगभग 40 प्रतिशत अधिक है,

यह आश्चर्यजनक क्यों है? क्योंकि अब तक ज्यादातर डॉक्टर और मरीज ब्लड शुगर या मोटापे को नियंत्रित करने पर ज्यादा ध्यान देते रहे हैं। यह अध्ययन बताता है कि अपने ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखना पहले की तुलना में वास्तव में ज्यादा जरूरी हो सकता है कम से कम लिवर रोग वाले लोगों के लिए।

ब्लड प्रेशर आपकी ब्लड वेसल्स पर दबाव डालता है, आपके हार्ट को अधिक काम करने पर मजबूर करता है, और अंगों (लिवर सहित) को नुकसान पहुंचा सकता है। जिन लोगों का लिवर पहले से ही कमज़ोर है, उनमें अतिरिक्त संवहनी तनाव और भी बदतर परिणामों की ओर ले जा सकता है।

दूसरा प्रमुख जोखिम कारक डायबिटीज या प्रीडायबिटीज है। अगर MASLD से पीड़ित किसी व्यक्ति का ग्लूकोज नियंत्रण भी कमजोर है, तो उसकी मृत्यु का जोखिम लगभग 25 प्रतिशत बढ़ जाता है।

यह अभी भी एक बड़ी बात है। हाई ब्लड शुगर स्तर, इंसुलिन प्रतिरोध, या टाइप 2 डायबिटीज, ये सभी कई अंगों, अग्न्याशय, किडनी हार्ट और लिवर पर बोझ डालते हैं। MASLD के संदर्भ में जहां आपका लिवर पहले से ही तनाव में है, खराब ग्लूकोज नियंत्रण से अतिरिक्त भार क्षति को तेज़ करता है।

मधुमेह एक खतरनाक कारण बना हुआ है। लेकिन अध्ययन का संदेश यह है कि यह हमेशा सबसे बड़ा कारक नहीं होता; हमें अन्य कारकों (जैसे हाई ब्लड प्रेशर) पर भी अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

तीसरा प्रमुख जोखिम कम एचडीएल कोलेस्ट्रॉल (अच्छा कोलेस्ट्रॉल) का होना है। यदि आपका एचडीएल कम है, तो आपकी मृत्यु का जोखिम एमएएसएलडी वाले व्यक्ति, जिसका एचडीएल सामान्य या अधिक है की तुलना में लगभग 15 प्रतिशत अधिक है।

खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल महासंघों को 'मेक इन इंडिया इन स्पोर्ट्स' और 'अंतरराष्ट्रीय संबंध' समितियां गठित करने की दी सलाह

नई दिल्ली, 13 जनवरी।

केंद्रीय खेल एवं युवा मामलों के मंत्रालय ने देश के सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल महासंघों को अपने–अपने संगठन में 'अंतरराष्ट्रीय संबंध समिति' और 'मेक इन इंडिया इन स्पोर्ट्स समिति' गठित करने की सलाह दी है। मंत्रालय के अनुसार इन समितियों के गठन से भारत की वैश्विक खेल सहभागिता और खेल कूटनीति को मजबूती मिलेगी, साथ ही आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य के अनुरूप खेल क्षेत्र में स्वदेशी क्षमताओं को बढ़ावा मिलेगा।

अंतरराष्ट्रीय संबंध समिति का उद्देश्य संबंधित अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघों और महाद्वीपीय महासंघों में हो रहे बदलावों पर नजर रखना होगा। इसमें प्रतियोगिता नियमों, संरचना, शासन व्यवस्था, चुनाव प्रक्रिया और एथलीट–केंद्रित कार्यक्रमों से जुड़े अपडेट शामिल होंगे।

यह समिति द्विपक्षीय और बहुपक्षीय समझौता ज्ञापनों, संयुक्त प्रशिक्षण शिविरों, एक्सचेंज प्रोग्राम, ज्ञान साझा करने की पहल और भारत में अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी से जुड़े अवसरों को लेकर एक मध्यम अवधि की अंतरराष्ट्रीय सहयोग योजना भी तैयार करेगी।

साथ ही यह सुनिश्चित करेगी कि सभी अंतरराष्ट्रीय गतिविधियां भारत सरकार की नीतियों, ओलंपिक चार्टर और अंतरराष्ट्रीय महासंघों के नियमों के अनुरूप हों तथा सुशासन, एंटी–डोपिंग अनुपालन और खिलाड़ियों की सुरक्षा के सिद्धांतों का पालन किया जाए। 'मेक इन इंडिया इन स्पोर्ट्स' समिति भारतीय निर्माताओं, स्टार्ट–अप्स, शोध संस्थानों और परीक्षण व मानकीकरण निकायों के साथ समन्वय कर संबंधित खेलों के लिए स्वदेशी उत्पादों के विकास, परीक्षण और प्रमाणन को बढ़ावा देगी।

इतिहास के पन्नों में 14 जनवरीः 1761—पानीपत का तीसरा युद्ध

नई दिल्ली, 13 जनवरी।

इस तारीख यानी 14 जनवरी 1761 को हरियाणा के पानीपत के मैदान में भारत के इतिहास की सबसे निर्णायक लड़ाइयों में से एक, पानीपत का तीसरा युद्ध, लड़ा गया। यह युद्ध मराठा साम्राज्य और अफगान शासक अहमदशाह अब्दाली (अहमदशाह दुर्रानी) के बीच हुआ था। इस संघर्ष में मराठा सेना का नेतृत्व सदाशिवराव भाऊ कर रहे थे, जबकि अहमदशाह अब्दाली अफगान और उसके सहयोगी बलों के साथ मैदान में उतरा था। यह युद्ध अत्यंत भीषण और रक्तरंजित रहा, जिसमें लाखों सैनिकों की जान गई। अंततः इस युद्ध में अहमदशाह अब्दाली की विजय हुई और मराठा शक्ति को भारी क्षति पहुंची। पानीपत की इस तीसरी लड़ाई ने उत्तर भारत की राजनीति को गहराई से प्रभावित किया और मराठा साम्राज्य के विस्तार को अस्थायी रूप से रोक दिया। इतिहास में यह युद्ध शक्ति–संतुलन बदलने वाली घटना के रूप में जाना जाता है, जिसने आने वाले वर्षों में भारत के राजनीतिक परिदृश्य की दिशा तय की।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र–1641 – यूनाइटेड ईस्ट इंडिया कंपनी ने मलक्का शहर पर विजय प्राप्त की।

1758 – इंग्लैंड के सम्राट के एक अधिकार पत्र के तहत ईस्ट इंडिया कंपनी को भारत में कंपनी या सम्राट के खिलाफ किसी भी युद्ध में लूटे गये धन एवं सम्पत्ति को रखने का अधिकार मिला।

1758 – ईस्ट इंडिया कंपनी को भारत में लड़ाई में जीती हुई संपत्ति अपने पास रखने का अधिकार इंग्लैंड नरेश ने दिया।

1760 – फ्रांसीसी जनरल लेली ने पांडिचेरी अंग्रेज़ों के हवाले कर दिया।

1761 – भारत में मराठा शासकों और अहमदशाह दुर्रानी के बीच पानीपत का तीसरा युद्ध हुआ।

1809 – इंग्लैंड और स्पेन ने 'नेपोलियन बोनापार्ट' के खिलाफ गठबंधन किया।

1784 – अमरीका ने ब्रिटेन के साथ शांति संधि की पुष्टि की।

1858 – नेपोलियन तृतीय की हत्या की साजिश का भंडाफोड़ हुआ।

1867 – पेरू ने स्पेन के ख़िलाफ जंग का ऐलान किया।

1907 – जमैका में भूकंप से किंगस्टन शहर तबाह हो गया और एक हज़ार से अधिक लोग मारे गये।

1907 – जमायका में आये भूकम्प में करीब 1000 लोगों की मौत हो गई।

1912 – रेमंड पोंकारे फ्रांस के प्रधानमंत्री बने।

1950 – ईरान में मुहम्मद सईद ने सरकार का गठन किया।

1954 – जगदगुरु कृपालु महाराज ने 7 दिनों तक 500 हिन्दू विद्वानों के समक्ष भाषण दिया। उन्हें पाँचवाँ जगदगुरु चुना गया।

1966 – इंडोनेशिया ने राष्ट्रसंघ स्थित अपना मिशन बंद कर दिया।

1966 – भारत के दक्षिणी राज्य मद्रास का नाम बदलकर तमिलनाडु किया गया।

1974 – विश्व फुटबाल लीग की स्थापना की गयी।

'अब 22 भाषाओं में होगा संसद की कार्यवाही का प्रसारण', लोकसभा स्पीकर ओम बिरला का बयान

नई दिल्ली, 13 जनवरी।

भारतीय संसद को लोकतंत्र का मंदिर कहा जाता है, जहां देश के अलग–अलग कोनों से चुने जाने वाले जनता के प्रतिनिधि एक–साथ उपस्थित रहते हैं। विविधताओं के इस देश में ज्यादातर सांसद अलग संस्कृति, भाषा और जगह से ताल्लुक रखते हैं। ऐसे में कई बार सदन की कार्रवाई के दौरान उन्हें समझने में परेशानी आती है। मगर, अब सांसदों की इस समस्या का समाधान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने ढूंढ निकाला है।

संसद में ट्रांसलेशन समेत भाषा से संबंधित सभी परेशानियां दूर होने वाली हैं। संसद में 22 भाषाओं में अनुवाद की सुविधा उपलब्ध करवाने के बाद अब केंद्र सरकार ने 22 भाषाओं में परिपत्र सौंपने का भी निर्णय लिया है।

इस नए बदलाव के बाद सभी सांसद न सिर्फ अपनी भाषा में सवाल पूछ सकेंगे, बल्कि विधेयक समेत संसदीय समिति की रिपोर्ट भी अपनी भाषा में हासिल कर सकेंगे। इससे सांसदों को ट्रांसलेशन के बाद होने वाली दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने भी सोमवार को इसकी घोषणा करते हुए कहा था कि संसद के सभी परिपत्रों को एआई की मदद से 22 भाषाओं में उपलब्ध करवाया जाएगा। ये पहली बार होगा जब दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) की कार्रवाई और औपचारिक दस्तावेज 22 भाषाओं में तैयार किए जाएंगे।

संसद में कई बार कई अहम बिलों को आखिरी मौके पर पेश किया जाता है। इसपर बात करते हुए ओम बिरला ने कहा, "हम बिल को थोड़ा जल्दी पेश करने की कोशिश करेंगे, जिससे सांसदों को बिल पढ़ने और बहस के लिए तैयार होने का समय मिल सके।"

पहली बार संसद की कार्रवाई को 22 भाषाओं में प्रस्तुत किया जा रहा है। भारत विविधताओं का देश है। भारतीय संसद ऐसा करने वाली दुनिया की एकमात्र संसद है। मुझे उम्मीद है कि जल्द ही परिपत्र भी 22 भाषाओं में उपलब्ध होंगे।

बता दें कि संसद में ये बदलाव 2026 के आखिर या 2027 की शुरुआत में लागू होने की उम्मीद है। वर्तमान में 22 औपचारिक भाषाओं में से सिर्फ 10 भाषाओं में परिपत्र उपलब्ध कराए जाते हैं। बजट भी इन्हीं में से एक है, जो 10 भाषाओं में मौजूद रहता है।

भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाओं को अनुसूचित भाषा माना गया है। इस लिस्ट में असमिया, बंगाली, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, संस्.त, सिंधी, तमिल, तेलुगु, उर्दू, बोडो, संथाली, मैथली और डोगरी भाषा का नाम शामिल है।

गिग वर्कर्स की सुरक्षा पर सरकार सख्त, 10–मिनट डिलीवरी हटाने की सलाह

नई दिल्ली, 13 जनवरी।

10–मिनट डिलीवरी के दावे पर केंद्र सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। गिग वर्कर्स की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सरकार ने क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स को डिलीवरी के लिए तय की गई सख्त टाइम लिमिट हटाने की सलाह दी है।

जानकारी के मुताबिक, केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को ब्लिंकिट, जेप्टो, स्विगी और जोमैटो के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने गिग वर्कर्स की सड़क सुरक्षा और काम के दबाव का हवाला देते हुए 10–मिनट जैसी सख्त डिलीवरी समयसीमा को हटाने की सलाह दी।

बैठक के बाद कंपनियों ने सरकार को भरोसा दिलाया कि वे डिलीवरी टाइम लिमिट को अपने विज्ञापनों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से हटा देंगी। सरकार का मानना है कि तय समय में डिलीवरी का दबाव वर्कर्स को जोखिम भरे तरीके से काम करने के लिए मजबूर करता है।

केंद्रीय मंत्री की सलाह के बाद ब्लिंकिट ने तत्काल प्रभाव से अपने ब्रांड प्लेटफॉर्म से 10–मिनट डिलीवरी का दावा हटा दिया है। इसका मतलब है कि अब कंपनी डिलीवरी के लिए किसी तय समयसीमा को फिक्स नहीं करेगी।

कोरोना महामारी के बाद 10–मिनट डिलीवरी यानी क्विक कॉमर्स का चलन तेजी से बढ़ा है। इस मॉडल के तहत प्लेटफॉर्म शहरों के अलग–अलग इलाकों में डार्क स्टोर्स बनाकर राइडर्स के जरिए कुछ ही मिनटों में डिलीवरी करते हैं। फिलहाल इस सेक्टर में ब्लिंकिट, जेप्टो, बिगबास्केट, फ्लिपकार्ट और स्विगी जैसे बड़े प्लेयर्स सक्रिय हैं।

क्विक कॉमर्स पारंपरिक कॉमर्स से काफी अलग है। जहां पारंपरिक कॉमर्स में उत्पादों की डिलीवरी में कई दिन लग जाते हैं वहीं क्विक कॉमर्स में यही काम कुछ मिनटों में पूरा करने का दावा किया जाता है।

हाल ही में नए साल के मौके पर क्विक कॉमर्स डिलीवरी पार्टनर्स ने कठिन कामकाजी परिस्थितियों, कम वेतन और प्रतिकूल माहौल को लेकर हड़ताल भी की थी। इन घटनाओं के बाद गिग वर्कर्स की सुरक्षा और अधिकारों को लेकर बहस और तेज हो गई है।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने जम्मू–कश्मीर में शक्सगाम घाटी के संबंध में वर्ष 1963 में चीन और पाकिस्तान के बीच हुए समझौते को अवैध बताया

नई दिल्ली, 13 जनवरी।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने आज कहा कि जम्मू–कश्मीर की शक्सगाम घाटी को लेकर चीन और पाकिस्तान के बीच 1963 में हुआ समझौता अवैध है। सेना प्रमुख ने शक्सगाम घाटी के क्षेत्र को लेकर भारत के रुख को दोहराया। जनरल द्विवेदी ने शक्सगाम घाटी पर चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता की टिप्पणी के संबंध में मीडिया के एक प्रश्न का जवाब देते हुए यह बात कही। जनरल द्विवेदी ने कहा कि भारत घाटी में किसी भी गतिविधि का समर्थन नहीं करता है।

सेना प्रमुख ने कहा कि चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा–एलएसी पर स्थिति स्थिर है, लेकिन निरंतर सतर्कता की आवश्यकता है।

जनरल द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर तीनों सेनाओं के समन्वय का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है, जिसमें कार्रवाई और प्रतिक्रिया की पूरी स्वतंत्रता दी गई है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन अभी भी जारी है और दुश्मन के किसी भी दुस्साहस का प्रभावी ढंग से जवाब दिया जाएगा। श्री द्विवेदी ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद उच्चतम स्तर पर निर्णायक जवाबी कार्रवाई का स्पष्ट निर्णय लिया गया था। सेना प्रमुख ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकी ढांचे को नष्ट करके और लंबे समय से चली आ रही परमाणु बयानबाजी को ध्वस्त करके रणनीतिक धारणाओं को फिर से स्थापित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने नौ में से सात लक्ष्यों को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया और पाकिस्तान की कार्रवाइयों का सुनियोजित जवाब सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जनरल द्विवेदी ने कहा कि 10 मई से पश्चिमी मोर्चे और जम्मू–कश्मीर में स्थिति संवेदनशील बनी हुई है, लेकिन पूरी तरह से नियंत्रण में है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष 31 आतंकवादियों को मार गिराया गया, जिनमें से 65 प्रतिशत पाकिस्तानी मूल के थे। सेना प्रमुख ने बताया कि पिछले वर्ष विश्व भर में सशस्त्र संघर्षों की संख्या और तीव्रता में वृद्धि हुई। उन्होंने कहा कि यह वैश्विक बदलाव इस वास्तविकता को रेखांकित करता है कि जो राष्ट्र तैयार रहेगा वही विजयी होगा।

अब हर युवा सीख सकेगा एआई, सरकार ने शुरू किया निःशुल्क कोर्स

नई दिल्ली, 13 जनवरी।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि आज के समय में नागरिकों, खासकर युवाओं के लिए यह जरूरी है कि उन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बुनियादी समझ हो कि यह क्या है, कैसे काम करता है, कहां उपयोग होता है और इसका जिम्मेदारी से इस्तेमाल कैसे किया जाए।

राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि अगर छोटे उद्यम एआई का सही इस्तेमाल करें तो इससे उनकी उत्पादकता बढ़ेगी और उन्हें बड़ा लाभ मिलेगा।

उन्होंने बताया कि इसी उद्देश्य से राष्ट्रीय एआई साक्षरता कार्यक्रम शुरू किया गया है, जिसके तहत अगले एक साल में 10 लाख युवाओं को एआई की ट्रेनिंग देने का लक्ष्य रखा गया है।

सरकार ने इस मौके पर अपने प्रमुख कोर्स 'YUVA AI FOR ALL' को भी सामने रखा, जो स्वामी विवेकानंद के प्रबुद्ध युवाओं के सपने को आधुनिक एआई युग से जोड़ने की दिशा में एक अहम कदम है।

यह कोर्स करीब चार घंटे का है और इसे इस तरह तैयार किया गया है कि इसे करने के लिए किसी तकनीकी पृष्ठभूमि की जरूरत नहीं होगी। यह कोर्स 11 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराया जाएगा और पूरी तरह निःशुल्क होगा।

'YUVA AI FOR ALL' को FutureSkills Prime, iGOTKarmayogi, DIKSHA और अन्य प्रमुख ई–लर्निंग प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराया जाएगा। कोर्स पूरा करने पर प्रतिभागियों को भारत सरकार का आधिकारिक प्रमाणपत्र भी मिलेगा।

आईटी मंत्रालय के अनुसार यह पहल युवाओं को एआई–आधारित भविष्य के लिए तैयार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

ग्रामीण रोजगार योजना में बड़ा बदलाव, अब 100 की जगह 125 दिन का कार्यः केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली, 13 जनवरी।

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने 13 जनवरी 2026 को नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ग्रामीण रोजगार के क्षेत्र में एक बड़े बदलाव की जानकारी दी है। सरकार ने मनरेगा (MGNREGA) के स्थान पर अब 'विकसित भारत – रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण)' या VB-G RAM G (जी राम जी) अधिनियम, 2025 लागू किया है।

इस नए बदलाव की मुख्य बातें निम्नलिखित हैं:–

रोजगार के दिनों में वृद्धिः प्रत्येक ग्रामीण परिवार के लिए रोजगार की कानूनी गारंटी को 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन कर दिया गया है।

साप्ताहिक भुगतानः श्रमिकों की आर्थिक स्थिरता के लिए अब मजदूरी का भुगतान साप्ताहिक आधार पर किया जाएगा।

कृषि कार्यों के लिए अवकाशः बुवाई और कटाई के व्यस्त सीजन के दौरान कृषि मजदूरों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए योजना में 60 दिनों की 'नो–वर्क' अवधि (काम रोकने का प्रावधान) शामिल की गई है।

डिजिटल पारदर्शिताः डॉ. सिंह के अनुसार, पूरी प्रक्रिया को डिजिटल करने से फर्जी लाभार्थियों (ghost beneficiaries) को हटाने और पारदर्शिता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

बेरोजगारी भत्ताः यदि निर्धारित समय के भीतर काम उपलब्ध नहीं कराया जाता है, तो बेरोजगारी भत्ते के प्रावधानों को और अधिक सख्त और प्रभावी बनाया गया है।

यह नया कानून ग्रामीण बुनियादी ढांचे, जल सुरक्षा और आजीविका के विकास पर केंद्रित है और इसे 1 अप्रैल 2026 से पूरे देश में प्रभावी ढंग से लागू करने का लक्ष्य रखा गया है। अधिक जानकारी के लिए आप PIB की वेबसाइट पर आधिकारिक विवरण देख सकते हैं।

पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण ने एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया

नई दिल्ली, 13 जनवरी।

पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण–पीएफआरडीए ने एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है। यह समिति राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के अंतर्गत सुनिश्चित भुगतान के लिए एक ढांचा सक्षम करने हेतु दिशा–निर्देश और विनियम तैयार करेगी। वित्त मंत्रालय ने बताया कि यह कदम पीएफआरडीए अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप है। मंत्रालय ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य ग्राहकों के लिए सेवानिवृत्ति आय की सुरक्षा को मजबूत करना है।

15 सदस्यीय समिति की अध्यक्षता भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एम.एस. साहू करेंगे। इस समिति में विधि, बीमांकिक, वित्त, बीमा, पूंजी बाजार और शिक्षा जगत के विशेषज्ञ शामिल हैं।

आज मनाया जा रहा है मकर संक्रांति का त्योहार

नई दिल्ली, 13 जनवरी।

मकर संक्रांति मुख्य रूप से सूर्य के राशि परिवर्तन और ऋतु परिवर्तन के उत्सव के रूप में मनाई जाती है। इसके मनाए जाने के प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं:

खगोलीय कारणः इस दिन सूर्य धनु राशि को छोड़कर अपने पुत्र शनि की राशि मकर में प्रवेश करते हैं। इसी गोचर के साथ उत्तरायण का आरंभ होता है, जिसका अर्थ है कि सूर्य उत्तर की ओर गमन करने लगते हैं, जिससे दिन लंबे और रातें छोटी होने लगती हैं।

धार्मिक महत्वः पौराणिक कथाओं के अनुसार, मकर संक्रांति भगवान सूर्य के अपने पुत्र शनिदेव से मिलने का दिन है, जो पारिवारिक सद्भाव और मेल–मिलाप का प्रतीक है। एक अन्य मान्यता के अनुसार, इसी दिन भगवान विष्णु ने असुरों का अंत कर युद्ध समाप्ति की घोषणा की थी।

फसल और प्रकृति का उत्सवः यह एक प्रमुख फसल उत्सव भी है, जहाँ किसान नई फसल आने की खुशी में प्रकृति और सूर्य देव के प्रति आभार प्रकट करते हैं।

आध्यात्मिक शुद्धिः इस पर्व को दान, पुण्य और आध्यात्मिक शुद्धि का काल माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि उत्तरायण में प्राण त्यागने वाले को मोक्ष की प्राप्ति होती है, जैसा कि भीष्म पितामह ने सूर्य के उत्तरायण होने तक अपनी मृत्यु का इंतजार किया था।

2026 में, सूर्य का मकर राशि में प्रवेश 14 जनवरी को हो रहा है, इसलिए देशभर में यह पर्व इसी दिन मनाया जा रहा है। इस अवसर पर पवित्र नदियों में स्नान, सूर्य पूजा, और खिचड़ी व तिल–गुड़ के दान का विशेष महत्व है।

मर्दों की तुलना में औरतों को क्यों लगती है ज्यादा ठंड, दोनों की बॉडी में क्या है केमिकल लोचा?

नई दिल्ली, 13 जनवरी।

क्या आपने कभी सोचा है कि महिलाओं को अक्सर पुरुषों की तुलना में ज्यादा ठंड क्यों लगती है? इसके पीछे एक वैज्ञानिक तर्क है. शारीरिक और रासायनिक कारक इस अंतर में अपना योगदान देते हैं.

मसल्स टिशु तब गर्मी पैदा करते हैं जब शरीर आराम की अवस्था में या फिर गति में होता है. अब क्योंकि महिलाओं में आमतौर पर पुरुषों की तुलना में मांसपेशियों का भार कम होता है इस वजह से उनका शरीर कुल मिलाकर कम गर्मी पैदा करता है.

प्रोजेस्टेरोन और एस्ट्रोजन जैसे हार्मोन रक्त परिसंचरण और तापमान को नियंत्रित करने में बड़ी भूमिका निभाते हैं. प्रोजेस्टेरोन रक्त वाहिकाओं को संकुचित कर सकता है जिस वजह से हाथ पैरों में खून का बहना कम हो जाता है. हाथ और पैरों में खून का बहना कम होने से ठंड लग सकती है.

मेटाबॉलिज्म भोजन को ऊर्जा में बदलता है और इस प्रक्रिया में गर्मी भी पैदा होती है. महिलाओं का मेटाबॉलिज्म रेट पुरुषों की तुलना में धीमा होता है. इसका मतलब है कि उनके शरीर आराम की अवस्था में कम कैलोरी जलाते हैं और कम गर्मी को पैदा करते हैं.

महिलाओं में पुरुषों की तुलना में वसा का प्रतिशत ज्यादा होता है. यह वसा हीट लॉस के खिलाफ एक इंसुलेटर के रूप में काम करता है. लेकिन यह मांसपेशियों की तरह गर्मी उत्पन्न नहीं करती.

महिलाओं का सरफेस एरिया उनके शरीर के आयतन की तुलना में ज्यादा होता है. इसका मतलब है कि अपने आसपास के वातावरण में तेजी से गर्मी होती है जिस वजह से उनके शरीर का गर्मी का तापमान बनाए रखना मुश्किल हो जाता है.

शरीर में कुछ केमिकल्स होते हैं जैसे की थायराइड हार्मोन, मेटाबॉलिज्म और हीट प्रोडक्शन. महिलाओं में संवेदनशीलता का स्तर थोड़ा अलग हो सकता है जिस वजह से उनके शरीर में गर्मी पैदा करने की क्षमता प्रभावित होती है. थायराइड की कम गतिविधि या धीमा मेटाबॉलिज्म होना आसानी से ठंड लगने की वजह बन सकता है.

युवाओं में बढ़ती नींद की बीमारी, क्या है कारण और कैसे नींद पर इतना असर?

नई दिल्ली, 13 जनवरी।

आजकल की बिजी लाइफस्टाइल में हर कोई अपने गोल्स को पाने की तैयारी में है. काम, पढ़ाई, सोशल मीडिया, गेम्स और स्ट्रेस के चक्कर में सेहत से ध्यान हटता जा रहा है. आलम यह हो गया है कि घंटों रील्स की लत की वजह से हमारी नींद धीरे–धीरे नजरअंदाज हो रही है. ऐसे में जब हम सो कर उठते हैं तो थका हुआ महसूस करते हैं और दिनभर आलस बना रहता है.

हाल ही में न्यूजीलैंड के ओटागो यूनिवर्सिटी में की गई एक रिसर्च में यह बात सामने आई है कि आज के युवा खासकर टीनएजर्स जो सोने से पहले मोबाइल स्क्रीन पर एक्टिव रहते हैं, उनकी नींद की क्वालिटी खराब हो रही है.

आज के समय में युवा कई कारणों से पूरी और अच्छी नींद नहीं ले पाते हैं. इसमें स्क्रीन टाइमिंग का बढ़ना नींद की बीमारी का सबसे बड़ा कारण है. मोबाइल, लैपटॉप, टीवी दिनभर ही नहीं, बल्कि सोने से पहले तक यूज हो रहे हैं. इसके अलावा फिजिकल एक्टिविटी की कमी के कारण भी युवाओं की नींद बिगड़ रही है. दिनभर बैठकर पढ़ाई या गेम खेलना अब आम बात हो गई है. वहीं सोशल मीडिया का दबाव, हमेशा ऑनलाइन रहना, कुछ पोस्ट करना या दूसरों की पोस्ट देखना दिमाग को शांत नहीं होने देता है, जिसके कारण पूरी और अच्छी नींद नहीं ले पाते हैं. इसके साथ ही देर रात स्नैक्स खाना, भारी खाना या कैफीन वाले ड्रिंक लेना नींद को खराब कर सकता है.

ओटागो यूनिवर्सिटी की रिसर्च में 100 से ज्यादा टीनएजर्स की नींद और उनकी सोने से पहले की आदतों की रिसर्च की गई. इसके लिए बॉडी कैमरा और खानपान की डायरी जैसी तकनीकों का यूज किया गया. रिसर्च में सामने आया कि 99 प्रतिशत टीनएजर सोने से पहले तक स्क्रीन का यूज करते हैं. 63 प्रतिशत टीनएजर सोने से पहले कुछ खाते हैं. 22 प्रतिशत टीनएजर सोने से पहले एक्सरसाइज करते हैं. हालांकि, जिन लोगों ने इन आदतों से बचने की कोशिश की, उनकी नींद में भी ज्यादा फर्क नहीं देखा गया.

अगर आप रोज सुबह थकान महसूस करते हैं या रात को ठीक से सो नहीं पाते तो कुछ आसान आदतों को अपनाकर देखें. जैसे हर दिन एक ही समय पर सोएं और जागें, रात को दिमाग शांत करने वाली एक्टिविटी करें, जैसे किताब पढ़ना, म्यूजिक सुनना या मेडिटेशन. सोने से पहले बहुत ज्यादा न खाएं, लेकिन भूखे भी न रहें. कैफीन को शाम 5 बजे के बाद न लें और स्क्रीन टाइम को सीमित करें.